मुख्यमंत्री मोहन यादव आम नागरिक एवं किसान के मुख्यमंत्री की तरह कार्य करें, बिजली कंपनी के एजेंट के रूप में कार्य करना बंद करें - कांग्रेस

तानाशाही पूर्वक काटी गई बिजली तत्काल जोड़ें, वसूली स्थगित करें और किसानों का खराब हुई सोयाबीन फसल का बीमा मुआवजा तत्काल दे

आष्टा। आज सीहोर जिले में मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं जिला प्रशासन द्वारा बिजली बिल वसूली को लेकर गांव के गांव की सामूहिक लाइट कटी जाने के विरोध में आष्टा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसजन एवं किसानों द्वारा तानाशाही पूर्वक बिजली बिल की वसूली रोकने काटी गई लाइट जोड़ने और किसने की सोयाबीन के खराब फसल हुई उसका बीमा एवं मुआवजा देने की मांग को लेकर तहसील कार्यालय का घेराव आष्टा ब्लॉक कांग्रेस जावर ब्लॉक कांग्रेस ग्रामीण ब्लॉक आष्टा नगर कांग्रेस आष्टा द्वारा कांग्रेसजन एवं किसानों के साथ मिलकर एसडीएम कार्यालय का घेराव किया जिसमें किसान एवं कांग्रेस कार्यकर्ता बहुत ज्यादा आक्रोशित होकर नारे लगा रहे थे मुख्यमंत्री मोहन यादव बिजली विभाग का वसूली एजेंट मोहन यादव तेरी तानाशाही नहीं चलेगी मोदी सरकार की तानाशाही नहीं चलेगी किसानों को खराब फसल का बीमा एवं मुआवजा दो बिजली बिल की वसूली रोको काटी गई लाइट तत्काल चालू करो जैसे नारे लगा रहे थे आज आष्टा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस जन एवं किसान पानी की टंकी कन्नौज रोड पर एकत्रित होकर नारे लगाते हुए अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय का घेराव करने पहुंचे जहां पर किसानों की मांग के संबंध में बोलते हुए अखिल भारतीय सदस्य कांग्रेस सदस्य हरपाल ठाकुर ने कहा कि विद्युत मंडल द्वारा तानाशाही पूर्वक बिजली बिल की वसूली की जा रही है बिजली बिल वसूल करने के लिए गांव की सामूहिक लाइट काटी जा रही है इसके साथ ही सीहोर कलेक्टर द्वारा बिजली वसूली को लेकर कुर्की एवं बैंक खाता चीज करने की सहमति दी है इन सब बातों से ऐसा लगता है कि जैसे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आम नागरिक किसानों के मुख्यमंत्री न होकर बिजली विभाग के वसूली एजेंट होंगे उनके द्वारा जिस प्रकार से ताना शाही पूर्वक बिजली बिल की वसूली की जा रही है उससे लगता है की मुख्यमंत्री बिजली विभाग के वसूली एजेंट बनकर रह गए हैं और उनका यह यह तरीका लोकतांत्रिक सरकार का नहीं हो सकता ऐसा लगता है जैसे हम अंग्रेजों के समय में गुलामो की तरह रह रहे हैं और उसे समय लगान वसूली के लिए गांव के हुक्का पानी बंद कर दिए जाते थे इसी प्रकार पूरे गांव की लाइट बंद कर कर एक तरह से पूरे गांव का हुक्का पानी बंद कर दिया जाता है हरपाल ठाकुर ने किसानों एवं कांग्रेस जन की तरफ से कहा कि जब इस बार पूरे सीहोर जिले एवं आष्टा में किसने की सोयाबीन की फसल 80 से 90त्न खराब हो गई तो अब तक सरकार ने किसानों को खराब हुई सोयाबीन की फसल का मुआवजा एवं बीमा क्यों नहीं दिया और जब सरकार द्वारा किसानों के नुकसान की भरपाई नहीं की गई तो फिर किस बिजली विभाग का पैसा कहां से जमा करेगा इसलिए सरकार सबसे पहले किसानों की सोयाबीन की फसल का बीमा एवं मुआवजा दे तब तक बिजली बिल की वसूली रोकते हुए काटे गए गांव की बिजली चालू करे किसान की लागत तीन चार गुना बढ़ गई है और उसकी फसल का भाव 2014 से भी काम है इसलिए सरकार सबसे पहले किसानों को फसल का सही दाम दिलाए खराब हुई फसल का बीमा एवं मुआवजा दिलाए उसके बाद बिजली बिल की वसूली करें और सरकार यदि ऐसा नहीं करती है तो यह स्पष्ट हो जाएगा के मध्य प्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री सहित बिजली विभाग के वसूली एजेंट के रूप में काम कर रही है उपरोक्त अवसर पर किसने की समस्या बताते हुए आस्था ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र शोभा खेड़ी ने कहा बिजली विभाग द्वारा लगभग 70 से ज्यादा गांव की सामूहिक रूप से लाइट काट दी गई है जिसके कारण महा लोगों को पीने तक का पानी नहीं मिल रहा है और साथ ही पशुओं को पीने का पानी भी नहीं मिल रहा है इस स्थिति में लोगों का जीवन यापन करना मुश्किल हो रहा है साथ ही छात्र-छात्राओं की परीक्षा चल रही है वह लोग अपनी पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं जिससे एक प्रकार से हमारे आने वाली पीढियां का भविष्य अंधकार में होता दिख रहा है बिजली विभाग एवं जिला प्रशासन का यह तरीका बर्दाश्त नहीं किया जा सकता हम प्रशासन एवं शासन को चेतावनी देते हैं की तत्काल जिन गांव की लाइट काटी गई है उनकी लाइट चालू की जाए और किसानों को बीमा एवं मुआवजा राशि देने के बाद बिल की वसूलीकी जाए शासन एवं प्रशासन ने किसानों के साथ न्याय नहीं किया तो कांग्रेस कार्यकर्ता आगे और ज्यादा उग्र आंदोलन करने पर मजबूर हो जाएंगे जिसमें बाजार बंद चक्का जाम जैसे आंदोलन किए जाएंगे जिसकी संपूर्ण जवाबदारी मध्य प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन की होगी उपरोक्त अवसर पर जावर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अरविंद सिंह सेमली बारी आस्था ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महेश मुंडी खेड़ी विधानसभा प्रत्याशी कमल सिंह चौहान वरिष्ठ नेता कैलाश परमार सहित उपस्थित वरिष्ठ नेताओं ने प्रशासन के सामने मजबूत तरीके से अपनी बात रखी ठीक उपरोक्त अवसर पर।

सीआईआई पश्चिमी क्षेत्र 2025-26 में व्यापार वृद्धि, स्थिरता और वैश्विक विस्तार पर ध्यान केंद्रित करेगा

इंदौर। बीजी इलेक्ट्रिकल्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री ऋषि कुमार बागला को वर्ष 2025-26 के लिए सीआईआई पश्चिमी क्षेत्र का अध्यक्ष चुना गया है। ब्लू स्टार लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री वीर एस आडवाणी को सीआईआई पश्चिमी क्षेत्र का उपाध्यक्ष चुना गया है। उनके नामों की घोषणा आज पुनर्गठित पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की पहली बैठक में की गई।

पश्चिमी क्षेत्र आर्थिक वृद्धि और सतत विकास के एक परिवर्तनकारी युग में प्रवेश करने के लिए तैयार है। क्षेत्र की सफलता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित निर्वाचित नेता, उन पहलों पर नेतृत्व करेंगे जो व्यवसायों और समुदायों दोनों के लक्ष्यों के साथ प्रतिध्वनित होते हैं, जिससे सभी के लिए एक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित होता है।

पश्चिमी क्षेत्र के लिए प्रमुख फोकस क्षेत्र निम्नलिखित होंगे- 1. व्यापार करने में आसानी और जिम्मेदार व्यवसाय - व्यापार करने में आसानी को बढ़ाने के लिए, ष्टढ्ढ पश्चिमी क्षेत्र राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय नीति सुधारों की वकालत करना जारी रखेगा जो विनियमों को सरल बनाते हैं और नौकरशाही बाधाओं को कम करते हैं। जबकि CII का उद्देश्य अपने सदस्यों के लिए विकास को सुविधाजनक बनाना है, यह सदस्यों को स्थिरता, सामाजिक जिम्मेदारी और पारदर्शिता के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता के साथ नैतिक रूप से काम करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा।

2. व्यापार करने की लागत - अनुकूल नीतियों की वकालत करके और अन्य उपायों के बीच साझा संसाधन और प्रशिक्षण प्रदान करके, CII पश्चिमी क्षेत्र सदस्यों के लिए परिचालन और नियामक खर्चों को कम करने की दिशा में प्रयास करेगा।

3. जीवन की सुगमता - सीआईआई पश्चिमी क्षेत्र सक्रिय रूप से उन नीतियों की वकालत करेगा जो निवासियों के लिए बुनियादी ढांचे, सार्वजनिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करती हैं। पर्यावरण स्थिरता का समर्थन करने, प्रदूषण को कम करने और सुरक्षा बढ़ाने वाली पहलों पर भी ध्यान दिया जाएगा।

4. अंतर्राष्ट्रीयकरण - सदस्यों को संभावित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार भागीदारों से जुड़ने और उनकी वैश्विक पहुँच का विस्तार करने में मदद करने के लिए, CII पश्चिमी क्षेत्र बाजार अनुसंधान की सुविधा प्रदान करेगा, व्यापार मिशनों का आयोजन करेगा और नेटवर्किंग कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा।

पुस्तक समीक्षा - लेखक राजेन्द्र राजन की रचनाधर्मिता का विश्लेषण है 'सृजना के सोपान'

कथाकार, उपन्यासकार एवं संस्मरण लेखक राजेन्द्र राजन के समूचे लेखन कार्य का आलोचनात्मक अध्ययन किया गया है सुप्रसिद्ध कवि आलोचक डॉ भरत प्रसाद द्वारा संपादित पुस्तक ÷ सृजन के सोपान÷ में। पुस्तक में राजन के प्रथम कहानी संग्रह÷टापू÷ से लेकर नवप्रकाशित उपन्यास ÷ जश्न ए बहारां÷ तक की सृजन प्रक्रिया को अलग अलग विद्वानों द्वारा अपने आलेखों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।पुस्तक में कुल 34 आलोचनात्मक आलेख संकलित किए गए हैं। डॉ.हेमराज कौशिक(6 आलेख), डॉ धर्मपाल साहिल (4 आलेख), प्रिया आनंद, रीता सिन्हा, प्रियंवदा(2),मोहन तिवारी आनंद, कंचन शर्मा, विजय विशाल, मुरारी शर्मा, के. आर. भारती, डॉ.कामिनी रावत, सुभाष नीरव, जितेन्द्र अवस्थी, बी डी बजाज, अनिल सोनी(2), श्री निवास जोशी, जया केतकी (2), डॉ. उर्मिला साध, प्रोमिला अरोड़ा आदि के आलोचनात्मक लेख शामिल किए गए हैं। पुस्तक के अंत में डॉ उर्मिला साध के राजेंद्र राजन से लंबा साक्षात्कार भी दिया गया है। जो लेखक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।श्री निवास जोशी द्वारा ही राजेंद्र राजन की लेखन कला को लेकर अंग्रेजी में विश्लेषण किया गया है।

समूचे रूप ने राजेंद्र राजन की अपनी एक भाषा शैली है। उनके कथा विषय ऐतिहासिक भी है। पहाड़ की आंचलिकता को समेटे अछूते प्रसंग भी हैं।शहरी मानसिकता तथा वर्तमान दौर में स्त्री पुरुष के बदलते रिश्तों के ग्राफ भी खींचे गए हैं। विषय तथा भाषा पर पकड़ उनकी रचनाओं को विविधता एवं विलक्षणता प्रदान करती है। राजेंद्र राजन का कथा संसार

परंपरागत सामाजिक यथार्थ तो पेश करता ही है साथ ही साथ समसामयिक ज्वलंत विषयों की भी रोचक अभिव्यक्ति भी करने में सक्षम है। जीवन की कई विसंगतियां, विकृतियां, विडम्बनाएं, विद्रूपताएं भी मुखर रूप में उजागर होती हैं।पात्रों का मानसिक चित्रण, वातावरण की मंज़रकशी , भौगोलिक विवरण पाठकों को अभीभूत करता है। पुरातन एवं आधुनिक जीवन दृष्टियों का सुमेल, उनका अंतर्संघर्ष भी देखने को मिलता है। औरत की आजादी की अभिव्यक्ति के चलते उत्पन्न हो रही पुरुष विमर्श जैसी स्थितियों को भी राजन ने बड़ी बेबाकी से चित्रित करने में सफलता प्राप्त की है। राजेंद्र राजन की कथाओं में अभिव्यक्ति की मुखरता को देखते हुए जहां राष्ट्रीय पत्रिकाओं में स्थान मिला है वहीं उनकी कुछ कहानियों का फिल्मांकन भी हुआ है। राजेंद्र राजन के पास अनुभवों का अकूत खजाना है, युग परिवर्तन की आहट को पहचाने की आपात क्षमता है, तथा इन सब को अपने रचनात्मक कौशल से आकर्षक अभिव्यक्ति देने का हुनर भी है । इसी कारण इनका कथा संसार रोचकता से परिपूर्ण है और इन कहानियों को बार बार पढ़ने का मन करता है। यह आलोचनात्मक पुस्तक तीन दशकों से साहित्य साधना में पूर्ण समर्पण से लीन राजेंद्र राजन की रचनाधर्मिता और रचना प्रक्रिया के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने में सहायक होगी। डॉ भरत प्रसाद द्वारा किया गया यह संपादन कार्य पाठकों तथा शोध कर्ताओं हेतु सहायक सिद्ध होगा। सुंदर गेटअप तथा उत्तम मुद्रण वाली इस पुस्तक के प्रकाशन हेतु संपादक डा भरत प्रसाद और लेखक दोनों ही बधाई के पात्र हैं।

समीक्षक डॉ धर्मपाल साहिल, होशियारपुर, पंजाब, 9876156964

पुस्तक- सृजना के सोपान(आलोचना), संपादक डॉ भरत प्रसाद , प्रकाशक समृद्ध पब्लिकेशन दिल्ली, मूल्य, 350, पृष्ठ 145

श्रीमती मोहनबाई नांदेचा का निधन।

(ऋतुराज बुड़ावनवाला द्वारा)। खाचरौद (उज्जैन) सध्वीं स्व. श्री फतेहचन्दजी नांदेचा की धर्म पत्नी, घेवरलाल, श्रीपाल एवं शैलेंद्र की माताजी तथा राजेन्द्र अमित जयंत चेतन की उम्र दराज दादीजी श्रीमती मोहनबाई नांदेचा का देवलोकगमन 27 मार्च को हो? गया।आपने धर्म से ओतप्रोत जीवन को जिया। इस तपस्वी आत्मा की स्वामिनी पर साधु-संतों का हमेशा ही वरद हस्त रहा हैं। साधु-साध्वी भगवन्तों की गौचरी के लिए इनका घर बहुत ही साताकारी रहा हैं। आपके निधन के समाचार से हर कोई व्यथित हो गया। आपके निधन पर सुरेश मेहता, राजेश वनवट, ऋतुराज बुड़ावनवाला, मनोहर लाल भटेवरा, चन्द्रप्रकाश चौरड़िया, नरेश नागदा , संजय हिंगड़, राकेश चण्डालिया, विजय बरड़िया, जवाहर हिंगड़ ने शोक-संवेदना प्रकट करते हुए परमपद प्रदान होने की कामना की। अंतिम यात्रा कल दिनांक 28 मार्च शुक्रवार को प्रातः 9 बजे निज निवास सुभाषमार्ग खाचरौद से शांति-वन जाएंगी।

भूमरिया एवं खाजला में वॉटरशेड महोत्सजव आयोजित होंगे- राजगढ़। जिले के विकासखण्ड खिलचीपुर के ग्राम खाजला में 03 अप्रैल को जिला स्त्रीय वॉटरशेड महोत्सणव आयोजित किया जाएगा।इसके साथ ही एक अप्रैल को ग्राम भूमरिया में भी वॉटरशेड महोत्स व आयोजित होगा। महोत्सरव के दौरान वॉटरशेड विकास यात्रा, विभागीय प्रदर्शनी, कृषकों की सहभागिता, श्रमदान, पौधरोपण एवं सास्कृकतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएगे। साथ ही वॉटरशेड की गतिविधियों से भी आमजन को अवगत कराया जाएगा।

हिंदू नव वर्ष - एक सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पर्व

भूमिका- भारत एक सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता वाला देश है, जहाँ प्रत्येक पर्व एवं तिथि का विशेष महत्व है। हिंदू नव वर्ष भी ऐसा ही एक पावन पर्व है, जो न केवल नए वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है, बल्कि यह हमारी प्राचीन परंपराओं, धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक मूल्यों को भी दर्शाता है।

हिंदू नव वर्ष का महत्व- हिंदू नव वर्ष का प्रारंभ चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होता है। इसी दिन से वसंत ऋतु का आगमन भी माना जाता है, जो प्रकृति में नवजीवन का संचार करता है। इस दिन को गुड़ी पड़वा (महाराष्ट्र), युगादि (आंध्र प्रदेश और कर्नाटक), चेट्टी चंद (सिंधी समाज) और वैशाखी (पंजाब) आदि विभिन्न नामों से मनाया जाता है। इसके अलावा, धार्मिक दृष्टि से भी यह दिन अत्यंत शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन सृष्टि की रचना की थी। वहीं, इसे महाराज विक्रमादित्य के राज्याभिषेक का दिन भी माना जाता है, जिसके कारण इसे विक्रम संवत के रूप में जाना जाता है।

हिंदू नव वर्ष मनाने की परंपराएँ- 1. गुड़ी पड़वा का आयोजन- महाराष्ट्र में इस दिन घरों के बाहर 'गुड़ी' (एक विशेष ध्वज) फहराया जाता है, जो समृद्धि और विजय का प्रतीक होता है।

2. नव संकल्प एवं पूजन- लोग इस दिन नए संकल्प लेते हैं, घरों में भगवद्गीता और रामायण का पाठ करते हैं तथा मंदिरों में पूजा-अर्चना की जाती है। **3. नव वस्त्र एवं विशेष भोज-** परिवारजन नए वस्त्र धारण करते हैं और विशेष पकवानों जैसे पूरन पोली, श्रीखंड, पंचांगम आदि का सेवन करते हैं। **4. रथयात्राएँ एवं शोभायात्राएँ-** कई स्थानों पर भगवान राम, शिव और अन्य देवताओं की शोभायात्राएँ निकाली जाती हैं। **5. चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ-** यह दिन माँ दुर्गा की उपासना के नौ दिवसीय पर्व चैत्र नवरात्रि की शुरुआत भी करता है, जिसमें भक्त देवी दुर्गा की आराधना करते हैं।

आधुनिक युग में हिंदू नव वर्ष का महत्व- आज के समय में हिंदू नव वर्ष केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का भी प्रतीक बन गया है। यह पर्व हमें हमारी प्राचीन परंपराओं से जोड़ता है और हमें अपने मूल्यों एवं संस्कारों की याद दिलाता है। इस अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता को बनाए रखें और उसे आगे बढ़ाएँ।

उपसंहार- हिंदू नव वर्ष केवल एक कैलेंडर परिवर्तन नहीं, बल्कि यह आत्मविश्लेषण, आध्यात्मिक जागरूकता और नव ऊर्जा से भरने का अवसर है। यह पर्व हमें अपने जीवन में नए उत्साह, प्रेम, सद्भावना और सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। अतः, हमें इसे हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाना चाहिए तथा समाज और राष्ट्र के उत्थान में योगदान देना चाहिए।

- मुकेश कुमार बिस्सा, जैसलमेर

नागपुर के युवक से सारंगपुर में लूट... चार गिरफ्तार, बालिनो कार सहित 4 बाईक जब्त

सारंगपुर । सारंगपुर नेशनल हाईवे पर नागपुर से दिल्ली जा रहे बाईक सवार टूरिस्ट की बुलेट और मोबाइल लूटने वाले 4 आरोपी को घटना के छटे दिन गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पुलिस ने लूटे गए वाहन सहित तीन अन्य मोटरसाईकिल और एक बालिनों कार भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार अभी दो आरोपी फरार है। वहीं लूट के मोबाइल से पेट्रोल पंप पर किया ट्रांजेक्शन आरोपियों की गिरफ्तारी का मुख्य कारण बना।

गुरुवार को पुलिस थाना सारंगपुर में एसडीओपी अरविन्द सिंह ने खुलासा करते हुए बताया की बीते 21/22 मार्च की दरम्यानी रात को करीब साढ़े 11 बजे तलेनी प्रतीक्षालय के समीप बाथरूम के लिए रुका था। पीड़ित शिकायतकर्ता आल्हाद पिता सोमासी बीएस सुधाकर जैसे ही बाथरूम कर वापस आया एक अन्य बुलेट से आए दो अज्ञात व्यक्तियों ने चाकू अड़ाकर धमकाया, उससे मोटारोला कंपनी का मोबाइल और एक बैग जिसमे ढाई हजार रुपए थे सहित बुलेट को छीन कर भाग निकले।

थाना प्रभारी शकुंतला बामनिया के निर्देशन में आरोपियों को पकड़ने के लिए 6 टीम गठित कर अलग अलग दिशाओ में रवाना किया। पुलिस ने मक्सी से पचोर के बीच करीब 150 स्थानों के सीसीटीवी खंगाले और पचोर के पेट्रोल पंप पर सीसीटीवी में संदिग्ध की पहचान होने पर पुलिस ने लिए गए पेट्रोल का ट्रांजेक्शन चेक किया तो लूटे गए मोबाइल का निकला। इसके बाद लगातार पड़ताल कर पुलिस ने मुख्य आरोपी करण उर्फ़ कान्हा पिता भारतसिंह भील (25) निवासी गांधी नगर इंदौर, मनोज पिता हरिनारायण यादव (28) निवासी खुजनेर, अवधेश पिता रामकृष्ण यादव (23) निवासी बोड़ा और गोपाल पिता शिवनारायण दांगी (25) निवासी ब्यावरा को गिरफ्तार किया है। जबकि लूट में शामिल अन्य आरोपी छोटू राजपूत और देवा की तलाश जारी है। पुलिस ने लूटी गई बाईक क्रमांक टीएस 07- एचसी-8924, लूट में प्रयुक्त बुलेट एमपी-09-ह्व आर-4169, एक केटीएम बाईक और एक अपाचे क्रमांक एमपी-09-वीपी-1366 के साथ पकड़े गए आरोपी जिस कार में बैठे थे वह बालिनों कार क्रमांक एमपी-09-डब्लू एम-7963 को जब्त किया है। कार्यवाही कर सभी गिरफ्तार आरोपियों को मेडिकल करवाकर सारंगपुर न्यायालय में पेश किया गया ।

राज्यरमंत्री श्री नारायण सिंह पंवार ने विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण

राजगढ़। प्रदेश सरकार के राज्यंमंत्री (स्वयतंत्र प्रभार) मछुआ कल्यालण एवं मत्य्दिए विकास विभाग श्री नारायण सिंह पंवार ने ब्यावरा विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत खनोटा में 40 लाख रुपए की लागत से निर्मित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया।उन्हों नेसीसी सड़क निर्माण कार्य ग्राम खनोटा में मुकेश सेन के घर से बने सिंह लोधी के घर तक राशि 15 लाख रूपये, सामुदायिक भवन सह बाउंड्री वॉल हनुमान मंदिर परिसर ग्राम खनोटा में राशि 15 लाख रूपये एवं सीसी सड़क निर्माण कार्य ग्राम खनोटा से देव स्थान के रास्ते पर राशि 10 लाख रूपये के कार्यो का लोकार्पण किया। इस दौरान स्था्नीय जन प्रतिनिधि श्री अमित शर्मा,श्री अशोक अग्रवाल,श्री श्याम सिंह चौहान, श्रीइंदर सिंह लववंशी,श्री महेश पालीवाल, श्री पदमसिंह लोधी,श्री गिरिराज लोधी,सरपंच श्री नारायण सिंह सौंधिया सहित अन्य कार्यकर्तागण एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। राज्यजमंत्री (स्व तंत्र प्रभार) मछुआ कल्यातण एवं मत्य्ह विकास विभाग श्री नारायण सिंह पंवार ने खनोटा स्थित गेहूं उपार्जन केन्द्रर का औचक निरीक्षण कर किसानों से चर्चा की एवं संबंधित अधिकारियों को व्यिवस्था् संबंधी आवश्य क दिशा निर्देश भी दिए।